कहानियों के अण्डे

एक था मुर्गा।

- वह सुबह काफी भयानक थी।
- बहुत समय पहले की बात है।
- सबेरे उठते ही सब मुझे ढूँढते हैं।
- एक दिन घर में कुछ मेहमान आ गए।
- रमज़ान का महीना शुरू हो गया था।
- मैं पूरे एक घण्टे देर से पहुँचा।
- हम प्लेटफार्म पर पहुँचे ही थे।
- गर्मियों की छुट्टियाँ लगने वाली थीं।
- वह इतवार का दिन था।
- वे गर्मियों के दिन थे।
- मैं कर्नाटक के तटवर्ती कस्बे में रहता था।
- हवाईजहाज़ आसमान में यहाँ-वहाँ घूमता हुआ लड़खड़ाए जा रहा था।
- लेफ्टिनेंट शमशेर प्रताप सिंह को आभास हुआ कि झाड़ियों के पीछे कोई जानवर है।
- "विकी देखो, अब तुमने क्या कर दिया है?" दिव्या चिल्ला पड़ी।
- इनसे मिलिए - ये हैं क्योंजीमल। बात-बात पर पूछ देते हैं - "क्यों? क्यों? क्यों?"
- मैं बहुत खुश था। मेरे सबसे प्रिय टीचर ने मुझे पत्र लिखा था।
- छुक-छुक करती रेलगाड़ी एक छोटे-से स्टेशन पर आकर धीरे-से थम गई।
- "स्कूल का पहला दिन कैसा रहा?" माँ ने पूछा।
- एक छोटा-सा चूहा देहात में रहता था।

दिल्ली के बड़े डाकघर में कुछ चूहे रहते थे।

डॉक्टर शेरसिंह ने दीवार घड़ी की तरफ देखा - सात बजकर पैंतालीस मिनट हुए थे।

एक बगीचे में एक घोंघा रहता था।

- खिड़की से बाहर तुम झाँककर तो देखो, फैला है गहरा, नीला आसमान।
- रवि और मैं खाली बैठे खिड़की से बाहर झाँक रहे थे, तभी अगले मकान के सामने एक ट्रक आकर रुका।
- आलोक नारियल घिसती हुई चिनम्मा को देख रहा था।
- आज का दिन भी क्या था! राशिद बेसब्री से स्कूल छूटने का इन्तज़ार कर रहा था।
- एक अण्डे में से बत्तख का बच्चा निकला।
- चूज़े को देखते ही उसे चुराने का ख्याल आया।
- "पापा, मैं वहाँ दोबारा नहीं जाने वाला।" नीलेश बोला।
- रात में जंगल बहुत डरावना लग रहा था।
- इस पेड़ को जंगल में रहते हुए सौ साल बीत चुके हैं।
- मेरा ध्यान रह-रहकर दादी की छड़ी पर चला जाता था।
- आज एक भी मछली नहीं फँसी थी।

कहानियाँ कैसे शुरू होती हैं?...
इसकी एक झलक अभी तुम्हें मिली। कहानी की पहली लाइन कितनी दिलचस्प होती है। है न? तुम्हें कौन-कौन सी शुरुआतें पसन्द आईं। क्या तुम इनमें से किसी पर एक छोटी कहानी बुनना चाहोगे? चुनिन्दा कहानियों को हम चकमक के जून अंक में प्रकाशित करेंगे। और हाँ, उनके लेखकों को उपहार में मिलेगीं पाँच मज़ेदार किताबें! कहानियाँ चकमक के पते पर 30 अप्रैल तक भेज सकते हो।

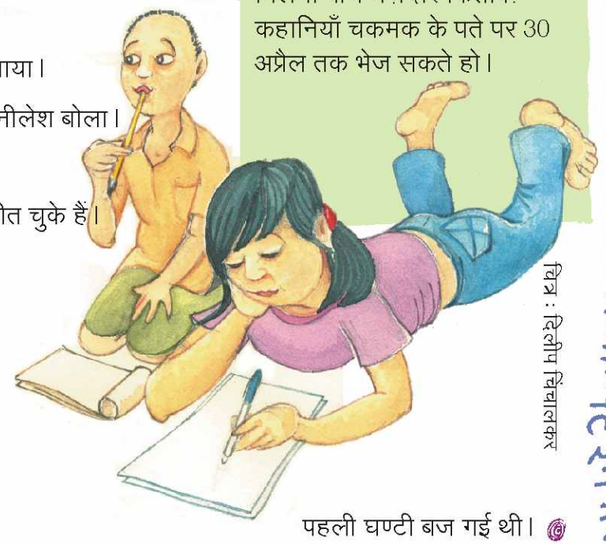

चित्र : दिलीप चिंचालकर

- पहली घण्टी बज गई थी।
- वह मेरा सबसे अच्छा दोस्त था।
- नए मकान में यह हमारा दूसरा ही दिन था।
- एक दिन भीखूभाई को नारियल खाने का मन हुआ।

मुनिया के घर अक्सर एक बिल्ली आती थी।

"बिल में ज़रूर कोई है।" हरजीत ने कहा।